पत्र सूचना शाखा

सूचना एवं जनसम्पर्क विभाग, उ0प्र0

राज्यपाल ने 'संस्कृत पाण्डुलिपियों की सूची' का विमोचन किया

'बूटी ले आये हनुमान' सी0डी0 का लोकार्पण

लखनऊः 8 मई, 2015

उत्तर प्रदेश के राज्यपाल, श्री राम नाईक ने आज राजभवन में रामपुर रज़ा लाइब्रेरी द्वारा प्रकाशित 'संस्कृत पाण्डुलिपियों की सूची' का विमोचन तथा राजभवन में तैनात श्री कुलदीप सिंह, पुलिस उपनिरीक्षक द्वारा रचित भजन की सी0डी0 'बूटी ले आये हनुमान' का लोकार्पण किया। इस अवसर पर प्रमुख सचिव राज्यपाल, सुश्री जूथिका पाटणकर, प्रो0 एस0एम0 अज़ीज़उद्दीन हुसैन, निदेशक, रामपुर रज़ा लाइब्रेरी तथा श्री कुलदीप सिंह सहित अन्य लोग उपस्थित थे।

राज्यपाल ने अपने विचार व्यक्त करते हुए कहा कि संस्कृत प्राचीन भारतीय भाषा है। विश्वविख्यात रामपुर रजा लाईब्रेरी ने संस्कृत पाण्डुलिपियों की सूची तैयार कर संस्कृत के प्रति अपने कर्तव्यों को निभाया है। रामपुर रजा लाइब्रेरी के पास बहुत बड़ा खजाना है जो कहीं और नहीं मिलेगा। रामपुर रजा लाइब्रेरी के पास 60 हजार ग्रंथ, 17 हजार पाण्डुलिपियाँ तथा प्राचीन चित्रकारी का भी संग्रह है। ताड़ पत्रों पर लिखे ग्रंथ आज भी वहाँ सुरक्षित एवं संरक्षित हैं।

श्री नाईक ने कहा कि तत्कालीन शिक्षा मंत्री, भारत सरकार मौलाना अबुल कलाम आजाद ने 1952 में रामपुर रजा लाइब्रेरी में पाण्डुलिपि तैयार करने का सुझाव दिया था। उर्दू, अरबी, फारसी, पश्तों, तुर्की की पाण्डुलिपियों का कैटलाॅग तैयार होने के बाद संस्कृत की पाण्डुलिपियों की सूची अब तैयार हुयी हैं। निरन्तर कार्य होते रहने चाहिए। उन्होंने कहा कि रामपुर रजा लाइब्रेरी द्वारा प्रकाशित सूची संस्कृत के शोधार्थियों के संदर्भ के लिए सहज एवं सुलभ है।

राज्यपाल ने कार्यक्रम में श्री कुलदीप सिंह द्वारा रचित गीतों पर आधारित सी0डी0 'बूटी ले आये हनुमान' का लोकार्पण भी किया। राज्यपाल ने कुलदीप सिंह की सराहना करते हुए कहा कि खाकी वर्दी वाला व्यक्ति भी सहृदय होता है। पुलिस का काम आमजन की सहायता करना तथा दोषियों को सजा देना है। उन्होंने कहा कि कविता लिखना एक सहृदयपूर्ण कार्य है। श्री कुलदीप सिंह ने अपने शासकीय कर्तव्यों को निभाते हुए सृजन का प्रशंसनीय कार्य किया है।

इस अवसर पर निदेशक, रामपुर रजा लाइब्रेरी, प्रो0 एस0एम0 अज़ीज़उद्दीन हुसैन ने राज्यपाल का आभार व्यक्त करते हुए रामपुर लाइब्रेरी की पृष्ठभूमि पर प्रकाश डाला। कार्यक्रम का संचालन श्री अरूण कुमार सक्सेना ने किया।

रामपुर रज़ा लाइब्रेरी
(संस्कृति मंत्रालय, भारत सरकार)
संस्कृत पाण्डुलिपियों के कैटलॉग का विमोचन समारोह
श्री राम नाईक

रामपुर रज़ा लाइब्रेरी
(संस्कृति मंत्रालय, भारत सरकार)
संस्कृत पाण्डुलिपियों के कैटलॉग का विमोचन समारोह
श्री राम नाईक

रामपुर रज़ा लाइब्रेरी
(संस्कृति मंत्रालय, भारत सरकार)
संस्कृत पाण्डुलिपियों के कैटलॉग का विमोचन समारोह
श्री राम नाईक
राज भवन